मोहयाल मित्र

सर्वे भवंतु सुखिनः। सर्वे संतु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित् दुःखभागभवेत्ः।।

नए वर्ष की बधाई और शुभकामनाएँ

जनरल मोहयाल सभा की ओर से देश–विदेश में बसे सभी मोहयालों को बधाई। नया वर्ष आप सबके जीवन में प्रसन्नता लाए, नई–नई उपलब्धियाँ लाए।

सन् 1891 में स्थापित हुई जनरल मोहयाल सभा निरंतर प्रगति कर रहा है। गत वर्षों में इसने अनेक परियोजनाएँ पूर्ण की हैं। इन वर्षों में किए कार्य जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली के कुशल मार्ग दर्शन में और उनकी पूरी टीम के समर्पित भाव से कार्य करने से हुए हैं। वो लोकल मोहयाल सभाएँ भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

नया वर्ष मोहयालों में एकता लाए, सभी संगठित होकर मोहयाल समाज को ऊँचाइयों के शिखरों पर ले जाएँ।

प्रत्येक बीता दिन अपने साथ व्यक्ति और समाज को नया अनुभव दे जाता है। हम भी बीते वर्ष के कार्यों का लेखा–जोखा करें। जो–जो कार्य पूरे नहीं हो सके उन्हें पूरा करें। नए वर्ष में नए संकल्प करें और उन्हें पूरा करने में समर्पण भाव से लग जाएँ।

आप सबको जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली, कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और मैनेजिंग कमेटी के सभी सदस्यों की ओर से नए वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

–अशोक लव

श्रीमती पूनम मिश्रा (दत्ता) को बधाई

श्रीमती पूनम मिश्रा (दत्ता) की कविताओं का संग्रह 'पत झड़ और बहार' प्रकाशित हुआ है। इसमें उनकी प्रतिनिधि कविताएँ संकलित हैं। इस संग्रह में उनकी प्रकाशित कविताओं में से एक कविता–अपनी बेटी के नाम

मेरी बेटी आज जब हम, साथ–साथ टहलते हैं,
मेरी एक उंगली को घेरे, तेरी मुट्ठी की,
सुनहली पकड़ होती है।
आज से बहुत आगे, जब तू सयानी हो जाएगी,
मैं तो ज़िंदगी भर अपनी, उंगली पर एक अदृश्य पकड़,
महसूस करती रहूँगी।

839 सी/1 ब्लॉक, पालम विहार, गुरुग्राम

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री गणेशायः नमः

परिवर्तन

समय परिवर्तनशील है। वक्त के साथ आप अपने विचार, अपनी भावना, अपनी सोच किसी पर लादें नहीं। जो विचार आपको अच्छा लगे उस पर अपनी भावना व्यक्त करें। अच्छा सोचें कभी किसी को बुरा मत कहें। ईश्वर स्वयं उस व्यक्ति को उसका फल देगा। सत्यमेव–ज्यते। सच्च की हमेशा विजय होती है।

वक्त से डर कर रहना चाहिए। आप बहुत जिम्मेदार मोहियाल हैं। अपनी राय जब किसी को दें अपना समझकर राय दें। सभी मोहियाल भाई–बहन हैं। आगे चलकर आपके द्वारा दी गई शिक्षा पर मोहयालियत को– अपनाना है। मोहियाल अपनी आन, शान पर पूरा जीवन लगा देता है। उसे किसी कि बातों पर तब तक विश्वास नहीं होता। जब तक वह स्वयं उसे करने का प्रयास करता है। हमेशा खुश रहिए और वातावरण में खुशियाँ प्रदान करें। हो सकता है, मैं इतनी विद्वान नहीं हूँ। साधारण शब्दों में कहती हूँ। परिवार को परिवार की तरह देखें। उसमें कभी भी पोलटिक्स न घुसाएँ। ईश्वर से प्रार्थना करें मैं आपकी इस मोहयालियत इच्छा को अवश्य पूरा करने की हिम्मत प्रदान करें। आप सबकी चुनौती पर खरी उतरूँ।

यह संस्कृति माँ/बाप अपने बच्चों में डालते हैं, उनका अथक प्रयास होता है। उसकी पुत्री एवम् पुत्र समाज में मोहयालियत को उच्चस्तर पर पहुँचाए। हमेशा सत्य बोलें लालचवश अपना ईमान न खोएँ। सच्च का पलड़ा हमेशा भारी होता है। सत्य बोलने की हिम्मत रखें। कभी भी जीवन में उन्हें कष्ट न आए। चरित्र आपके अडिग विश्वास पर वह नतमस्तक हो जाएगा। हमें अपने बच्चों के व्यवहार को बदलने का प्रयास करना होगा, उनकी जो भावना उलटा सोचने की है, उन्हें उदाहरण देकर एवम् क्या उनके लिए सही है बताना होगा।

जब तक आज की युवा पीढ़ी एवम् लड़के, लड़कियों की विचारधारा में परिवर्तन नहीं करेंगे, मोहियाल समाज को तरक्की असंभव है। आज जो मीडिया इतिहास दिखाता है वह नया है। वह उसी को इतिहास समझेगा। कारण परिवर्तन है। वह नहीं जानता है। बच्चों को वास्तविक इतिहास बताएँ। पूरा समाज जब तक अथक परिश्रम करेगा तभी परिवर्तन आएगा। मेरी बताई विचारधारा से सभी सहमत होंगे।

जय मोहयाल!

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, *सी–80, नीति बाग, नई दिल्ली*

पुत्र रत्न हेतु बधाई!

दिनाँक 07.08.2018 को लूणा नर्सिंग होम अबोहर में गाँव भंगर खेड़ा निवासी **मैहता मधुर भीमवाल एवम् श्रीमती शिवानी भीमवाल** के घर पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई तथा दिनाँक 27.08.2018 को सुपुत्र का नामकरण, हवन, कीर्तन करवा कर आयुष्मान **वेदान्त देव** रखा गया तथा साथ में नामकरण के बाद दोपहर का प्रीति भोज भी था।

गौरतलब है कि मैहता मधुर भीमवाल स्व. मैहता नरनारायण भीमवाल एवम् स्व. श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल करियाला (प. पाक) जिला जेहलम के निवासी थे। उनके पौत्र हैं तथा मैहता कृष्ण कुमार भीमवाल एवम् श्रीमती प्रवीण भीमवाल के सुपुत्र हैं। श्रीमती शिवानी भीमवाल (पुत्र वधू) श्री मनमोहन सिंह ग्रेवाल एवम् श्रीमती नीलम ग्रेवाल की सुपुत्री हैं जोकि लुधियाना पंजाब के निवासी हैं।

इस खुशी के मौके पर दादा मैहता कृष्ण कुमार भीमवाल जी ने एवम् श्रीमती प्रवीण भीमवाल ने जनरल मोहयाल सभा के एजूकेशन फण्ड में 500 रुपए भेंट किए।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल *(बड़े दादा जी)*
प्रधान मोहयाल सभा अबोहर, मो. 9780160085, 7696842614

इन्हें अजमाएँ

1. खड़े होकर पानी पीने नहीं पीन चाहिए। पानी हमेशा बैठकर पीना चाहिए।
2. किसी प्रकार का दर्द हो, एक गिलास कोसा पानी पी लें।
3. संतरे के छिलके सुखाकर पाउडर बनाएँ। इसमें दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। पाँवों पर पड़े धब्बों पर लगाकर सूखने दें। सूख जाने पर पोंछ दें। सप्ताह में तीन बार ऐसा करें। पैरों का कालापन–धब्बे मिट जाएँगे।
4. अनार के छिलके सुखा लें। पाउडर बनाकर दही मिलाएँ। सिर पर लगाएँ। बाल चमकदार मुलायम हो जाएँगे।
5. तनाव से बचने के लिए खूब हँसें। कुढ़ना छोड़ें। संगीत सुनें। जीवन का आनंद लें। निंदा करना छोड़ें। सबके कल्याण की कामना करें।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्थानीय मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 6 दिसंबर 2018 रविवार को मोहयाल भवन फरीदाबाद में श्री रमेश दत्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 35 मोहयाल भाई–बहनों ने भाग लिया।

श्रीमान व श्रीमती संजीव मोहन, सेक्टर 21, व डॉक्टर महेंद्र बाली, 1266 सेक्टर 9, पहली बार सभा में उपस्थित हुए थे सभी ने उनका स्वागत किया।

रायज़ादा के.एस. बाली ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। सबको बताया कि कमेटी ने एक दिन के लिए मथुरा–वृंदावन का प्रोग्राम बनाया है, जो भाइ–बहन जाने के इच्छुक हों वे 6 जनवरी की मीटिंग में अपना नाम लिखवा दें ताकि वहाँ जाने का प्रबंध किया जा सके।

डॉ. महेंद्र बाली जी ने बताया कि वे हर प्रकार की बीमारियों का ईलाज करते हैं, जैसे कमर दर्द, घुटनों का दर्द आदि। जो भी भाई बहन Jeunesse विधि द्वारा अपना ईलाज करवाने के इच्छुक हो वे मो. 9873970580 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्री मिथलेश दत्ता ने निम्न राशि एकत्र की– श्री संजीव मोहन ने 1101 रुपए, श्री बृज मोहन व श्री आर.सी. दत्ता प्रत्येक ने 500–500 रुपए सहयोग राशि के रूप में सभा को दिए।

श्री रमेश दत्त ने बताया कि आज के खाने की व्यवस्था श्री आर.सी. दत्ता की तरफ से है। उन्होंने अपनी व सभा की ओर से उनका धन्यवाद किया।

श्री के.एस. बाली ने भी सभा में उपस्थित सभी लोगों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और मीटिंग में पधारने पर धन्यवाद किया। इस मौके पर आशु वैद व सभी बहनों ने नववर्ष के उपलक्ष्य में गीत गाकर सभी का मनोरंजन किया। श्री रमेश दत्ता ने सभी लोगों को मीटिंग में आने पर धन्यवाद किया और बताया कि अगले माह की मीटिंग 6 जनवरी 2019 को भवन में ही होगी और उन्होंने ज्यादा से ज्यादा भाई बहनों को मीटिंग में आने का आग्रह किया।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9212557095*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

यमुनापार-दिल्ली

मोहयाल सभा यमुनापार की मासिक बैठक एक श्रद्धांजलि सभा के रूप में आयोजित की गई। 23 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। सभा के प्रधान **श्री सतीश कुमार बाली** (आयु 72 वर्ष) का 01 दिसंबर को सेंट स्टीफेंस अस्पताल (दिल्ली) में देहांत हो गया। 2 दिसम्बर को उनको मुखाग्नि दी गई और 11 दिसंबर को उनका उठाला रस्म–क्रिया हुआ। शांति पाठ के बाद उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखा। उसके बाद सेक्रेटरी ने पिछले माह के रिपोर्ट पढ़ी, जिसका सभी ने एकमत से अनुमोदन किया।

श्री सतीश कुमार बाली 45 वर्षों से मोहयाल सभा यमुनापार से जुड़े रहे, पिछले डेढ़ वर्ष से वे सभा के प्रधान के पद पर आसीन रहे। इस दौरान सभा ने खूब तरक्की की और भाईचारे के संदेश को मोहयाल–समाज में जागृत किया। उनकी कमी कभी भी पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने सच्ची निष्ठा और कर्त्तव्य से अपनी ज़िम्मेदारियाँ का निर्वाह किया, मोहयाल सभा यमुनापार उनका तहदिल से धन्यवाद करती है। सभी सदस्यों ने स्वर्गीय प्रधान श्री सतीश कुमार बाली से जुड़ी अपनी यादों का जिक्र किया। वरिष्ठ उपप्रधान श्री विनोद बाली, उपप्रधान एस.एस. मोहन, सेक्रेटरी श्री सी.पी. दत्ता, संजीव बाली, श्री गुलशन छिब्बर, सुनीता वैद, तथा अन्य सदस्यों ने उनके जीवन से जुड़ी बातों को याद किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वर्गीय प्रधान श्री सतीश बाली की माता श्रीमती ताज रानी बाली का देहांत 20 नवंबर को हो गया। 24 नवम्बर को रस्म–पगड़ी पर परिवार ने एम एस यमुनापार और जीएमएस को 1000–1000 रुपए दानस्वरूप दिए।

श्री वी.एस. लौ, श्री दलीप सिंह दत्ता, श्री विनोद बाली, मेहता इंद्र मोहन लौ, संजीव बाली प्रमुख दानकर्ता रहे।

शांति पाठ के साथ मीटिंग समाप्त की गई। ऊँ शांति शांति!

विनोद कुमार बाली, *वरिष्ठ उपप्रधान* — *मो. 9871819500*

संजीव बाली (बंटी), *सचिव* — *मो. 7678262318*

उत्तम नगर-दिल्ली

मोहयाल सभा उत्तम नगर की मासिक बैठक श्री विनित बक्शी, सचिव के निवास स्थान में 15 सदस्यों ने भाग लिया। इस महीने कई नये सदस्य पहली बार सभा की मीटिंग में आए। प्रधान जी ने सभा में आए सभी सदस्यों को बताया कि

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

इस माह के अंत में सभी युवा सदस्य अपने क्षेत्र के सभी सदस्यों के घर–घर जाकर अगले वर्ष की मीटिंग में आने का आग्रह करेंगे और नये साल में क्षेत्र के सदस्यों के नाम पता और फोन नं. का नया रिकार्ड बनाया जाएगा। इस कार्य की जिम्मेदारी संजय बक्शी, विनित, रिचा वैद, महिमा बक्शी, गौरव वैद को दी गई।

अन्त में जलपान के साथ जनवरी 2019 की मीटिंग एस.पी. वैद के निवास में रखी जाएगी।

संजय बक्शी, *उप–प्रधान*
मो. 9811008335

बठिंडा

मोहयाल सभा बठिंडा (रजि.) की मीटिंग अभिलाश वैद प्रधान की अध्यक्षता में होटल बरोड़ वेज में 10.12.2018 को सम्पन्न हुई।

इस मीटिंग में आने वाले त्योहार क्रिसमिस तथा नए साल की सभी मोहयाल परिवारों को बधाई दी गई। आने वाले दिनों में ठण्ड को देखते हुए गरीबों और राहगीरों के लिए ठण्ड में कम्बल बाँटने और चाय पानी का इंतजाम करने के लिए विचार–विमर्श हुए। मोहयाल सभा बठिंडा के सदस्य गगहु बाली पुत्री श्री रविशंकर बाली की शादी पर सभी मोहयाल परिवारों द्वारा आशीर्वाद दिया गया। इस मौके पर निम्नलिखित व्यक्ति उपस्थित थे।

अभिलाष वैद, धर्मेंद्र दत्ता, विजय वैद, विपन दत्ता, विजय दत्ता, खुशाल दत्ता, बिशम दत्ता, राज कुमार वैद, अनिल दत्ता, जगदीश दत्ता, राहुल छिब्बर, आदर्श छिब्बर, मिथुन छिब्बर, रणजीत वैद, पवन दत्ता, प्रमोद, प्रदीप, नीलम छिब्बर, कुसुम वैद, रजनी वैद, रेनु वैद, लक्ष्मी दत्ता, यदु दत्ता, मेघा वैद और प्रीति वैद आदि।

प्रेमनगर–देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 25 नवंबर 2018 (रविवार) को सनातन धर्म मंन्दिर के हॉल में हुई। बैठक में 15 सदस्यों ने भाग लिया, बैठक की अध्यक्षता श्री डी.एन. दत्ता प्रधान ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात् बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। श्री राजेश बाली (सचिव) ने गत माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा श्री जी.पी. शर्मा (लौ) ने आय–व्यय का ब्यौरा दिया। सभी ने इसका अनुमोदन किया।

सभा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया गया। जो सदस्य काफी समय से बैठकों में नहीं आ रहे उन्हें सभा में आने पर उनके घर बातचीत करने पर सुझाव दिया गया। देहरादून सभा के सदस्य श्री तरुण मोहन ने सुझाव दिया कि एक समिति का गठन किया जाय जो सदस्यों के घर जाकर उन्हें मासिक बैठक में आने के लिए प्रेरित करे।

सभा में प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने बताया कि प्रेमनगर और देहरादून सभा गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मोहयाल–मिलन का आयोजन दिसंबर माह में किया जाएगा। इस आयोजन की तिथि एवं स्थान की सूचना सदस्यों को समय पर दे दी जाएगी।

जनवरी 2019 माह की मीटिंग श्री गंगा प्रसाद शर्मा (लौ) के निवास स्थान पर होगी। अन्त में चाय–पकौड़े के सदस्यों का जलपान कराया गया। उपस्थित सदस्य को मीटिंग में आने पर धन्यवाद किया गया।

डी.एन. दत्ता, *प्रधान*
मो. 8958738088

राजेश बाली, *सचिव*
मो. 9758135583

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की मासिक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता की अध्यक्षता में मोहयाल भवन न्यू बैंक कालोनी, ऊना रोड होशियारपुर में हुई। गायत्री मंत्र के बाद श्री पी.पी. मोहन तथा श्री अश्विनी दत्ता ने कहा कि मुख्य सड़क पर लगे बोर्ड को दुबारा पेंट करवाया जाए ताकि आने वालों को कठिनाई न हो। प्रधान जी ने कहा कि 6 जनवरी 2019 को सभा भवन में मोहयाल भाई बहनों का परिवार–मिलन करवाया जाए। इस अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

श्री दिनेश दत्ता, श्री पी.पी. मोहन, मनोज दत्ता, कुलदीप दत्ता, सुभाष दत्ता, आर.सी. मेहता, अश्विनी दत्ता, पवन मेहता, वीरेन्द्र दत्त वैद, और शशपिन्द्र बाली उपस्थित थे।

मनोज दत्ता

महिला विंग मोहयाल सभा देहरादून

महिला विंग देहरादून की मासिक बैठक 30.11.2018 को श्रीमती सविता मेहता की अध्यक्षता में श्रीमती बबीता छिब्बर के निवास स्थान पर हुई। जिसमें सभा की शुरुआत मोहयाल प्रार्थना और गायत्री मंत्र के साथ हुई। इस बार की चर्चा का विषय रहा कि इस सभा में और भी महिलाओं को कैसे जोड़ा जाए। आईं हुई सभी महिलाओं ने खूब मज़े किए और तंबोला खेला, सुंदर उपहार भी दिया।

अंत में श्रीमती बबीता छिब्बर ने सभी को स्वादिष्ट जलपान कराया। सभी का शुक्रिया भी किया। हम सबने भी उनका दिल से शुक्रिया किया।

अर्चना दत्ता, *सचिव (मो. 7533880110)*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

नज़फगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 02.12.2018 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्रीमती सिम्मी छिब्बर, उपप्रधान के निवास स्थान (सिम्मी हाईट, आर जैड 15, सूदन गार्डन, नियर गुरूद्वारा, नजफगढ़ नई दिल्ली 110043) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई। जिसमें 20 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया। जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

नज़फगढ़ मोहयाल सभा के 17 भाई बहनों ने दिनाँक 23 नवंबर 2018 से 26 नवंबर 2018 तक मोहयाल आश्रम हरिद्वार, पर्वतों की रानी मसूरी तथा देहरादून में पिकनिक का आनंद लिया।

मोहयाल सभा नज़फगढ़ की अगली बैठक 6 जनवरी 2019 को श्री सोम दत्त बख्शी, 21 गौशाला कालोनी, धर्मपुरा नज़फगढ़, नई दिल्ली 110043 मो. 8527704604 में प्रातः 10 बजे होगी। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्रीमती सिम्मी छिब्बर को धन्यवाद किया। सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध है।

शेर जंग बाली, *प्रधान*
मो. 9871756765

हर्ष दत्ता, *सचिव*
मो. 9312174583

अबोहर (पंजाब)

मोहयाल सभा अबोहर की मासिक बैठक दिनाँक 30.10.2018 को श्री महेश मेहता (मोहन जी) जोकि गाँव मंडोली जिला यमुनानगर के निवासी हैं की अध्यक्षता में श्री रविन्द्र कुमार भीमवाल एवम् श्रीमती आशा भीमवाल के निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा तहसिल अबोहर में हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र के उच्चारण के पश्चात् निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया:

1. श्री रविन्द्र कुमार दत्ता सुपुत्र स्व. श्रीमती पुष्पा दत्ता एवम् स्व. श्री बृजमोहन दत्ता कुरूक्षेत्र निवासी का 13.10.2018 को निधन हुआ।

2. फाजिल्का निवासी श्री विपल दत्ता की धर्मपत्नी श्रीमती वन्दना दत्ता का निधन 18.10.2018 को हुआ।

इसके पश्चात् आजीवन सदस्य जीएमएस व वार्षिक सदस्यों ने मोहयाल मित्र न मिलने की शिकायत की। उन्हें हर बार की तरह बताया गया कि जी.एम.एस. ऑफिस बात करने पर वे बताते हैं, अपने शहर या गाँव के डाकघर से पता करें। इस पर विश्वामित्र भीमवाल ने बताया कि अबोहर मोहयाल सभा के महासचिव मैहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट से बात हो गई है वे अबोहर के मुख्य डाकघर मुख्य डाक अधिकारी से मिलेंगे। ताकि मोहयाल मित्र सुचारु रूप से मिल सकें। कुछ मोहयाल सदस्यों ने मोहयाल परिवारों के लड़के–लड़कियों के रिश्ते करने में जो कठिनाईयाँ आ रही हैं इस विषय पर भी चर्चा की।

अन्त में शान्ति पाठ के साथ सभा समापन हुई। जलपान के लिए भीमवाल परिवार को धन्यवाद किया गया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085, 7696842614

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनाँक 02.12.2018 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद की अध्यक्षता में सभा के सेक्रेटरी श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर के निवास स्थान पर गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाल प्रार्थना के बाद सम्पन्न हुई।

वित्त–सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता ने पिछले महीने की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की। सभा में सभी को करनाल मोहयाल–मिलन जोकि 30 दिसंबर 2018 को होने जा रहा है उसमें शामिल होने के लिए कहा गया।

मंगलकामनाः मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से सभी मोहयाल भाइयों व बहनों, युवाओं को नववर्ष 2019 की बहुत–बहुत बधाई हो। लोहड़ी पर्व व मकर सक्रांति की भी बधाई हो। सभी के लिए यह नववर्ष मंगलमय हो।

अन्त में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर व परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *महासचिव*
मो. 9466213488

स्त्री विंग मोहयाल सभा यमुनानगर

मोहयाल सभा स्त्री विंग यमुनानगर की मासिक मीटिंग श्रीमती विजयलक्ष्मी दत्ता ने अपने निवास स्थान पर 5.12.2018 को की। मीटिंग में सभी बहनों ने भाग लिया। मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता ने की। मीटिंग की शुरुआत गायत्री मंत्र के साथ हुई।

मीटिंग में सभी बहनों ने मोहयाल भवन यमुनानगर के निर्माण कार्यों की तारीफ़ की। भवन का निर्माण पूरे जोर–शोरों से चल रहा है। सभी मोहयाल भवन के निर्माण कार्य जल्दी से जल्दी पूरा होने का इंतज़ार कर रहे हैं।

मीटिंग में सभी बहनों ने नववर्ष मनाने पर विचार किया। मीटिंग में आर्थिक सहायता देने पर विचार किया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मीटिंग में सभी बहनों ने रायज़ादा बी.डी. बाली जी और जी. एम.एस. की पूरी टीम को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं और मंगलकामना की। जी.एम.एस. ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करती रहे।

मीटिंग में श्रीमती कमला दत्ता, श्रीमती सुनीता दत्ता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती विजयलक्ष्मी, श्रीमती बाला मेहता और श्रीमती प्रवीण बाली ने अपने–अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ मीटिंग की कार्यवाही समाप्त हुई।

श्रीमती प्रवीण बाली, *महासचिव*
फोनः 01732–226799

पुष्कर तीर्थ

एक बार सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा जी ने पृथ्वी पर यज्ञ करने का विचार किया। किन्तु उस समय वज्रनाभ नाम के राक्षस का पृथ्वी पर आतंक छाया हुआ था। वह बच्चों को जन्म लेते ही मार देता था। इस बात की सूचना ब्रह्मलोक में भी पहुँच गई। फिर क्या था ब्रह्मा जी ने उस राक्षस के अंत करने का निश्चय किया। उन्होंने अपने कमल पुष्प से उस दैत्य पर भीषण प्रहार किया। जिससे उसका अंत हो गया। पुष्प का प्रहार इतना प्रचण्ड था कि जहाँ वह गिरा वहाँ एक विशाल सरोवर बन गया। पुष्कर यानि कमल का फूल अर्थात् पुष्कर के आघात से निर्मित सरोवर, उसका नाम पुष्कर सरोवर पड़ा। ब्रह्मा जी द्वारा यहाँ यज्ञ करने से इस सरोवर का आदि तीर्थ होने का पुण्य भी प्राप्त हुआ!

भारत में ब्रह्मा जी का यहीं एक स्थान है जहाँ उनकी पूजा की जाती है। इसके पीछे एक कथा है कि पुष्कर क्षेत्र को ब्रह्मा जी ने यज्ञ के लिए चुना। देवी सावित्री के साथ उन्होंने पूजा करनी थी। किन्तु देवी सावित्री समय पर न पहुँच सकीं तो ब्रह्मा जी ने गायत्री नाम की एक कन्या से विवाह कर यज्ञ सम्पन्न किया। जब देवी सावित्री वहाँ पहुँची तो हालात देखकर आगबबूला हो उठीं। उन्होंने ब्रह्मा जी को शॉप दिया कि पुष्कर को छोड़ आपकी कहीं और पूजा नहीं की जाएगी।

ऐसा माना जाता है कि यहाँ किए गए पूजा–पाठ–यज्ञ आदि अक्षय फल देने वाले होते हैं। कार्तिक एकादशी से पूर्णिमा तक विशेष पूजा होती है। पुष्कर यात्रा का फल अगस्त्य कुण्ड में स्नान करने के बाद ही मिलता है।

पुष्कर स्नान के बिना चारों धाम यात्रा का फल भी अधूरा रहता है। पुष्कर सरोवर भी तीन हैं– ज्येष्ठ, मध्य व कनिष्ठ। जिनके देवता क्रमशः ब्रह्मा, विष्णु व रुद्र हैं। इस मन्दिर के पुरोहित गुर्जर समुदाय के होते हैं।

विरेन्द्र कुमार छिब्बर, *ज्योतिष आचार्य*
9818094655

अपने जीवनकाल में उम्र के विभिन्न पड़ावों पर प्रत्येक व्यक्ति का अपने पिता को देखने का नज़रिया–

चार वर्ष की आयु में – मेरे पिता महान हैं।

छः वर्ष की आयु में – मेरे पिता सब जानते हैं।

दस वर्ष की आयु में – मेरे पिता बहुत अच्छे हैं, लेकिन गुस्सा बहुत जल्दी करते हैं।

तेरह वर्ष की आयु में (टीन एज की शुरुआत) – मेरे पिता बहुत अच्छे थे, जब मैं छोटा था।

चौदह वर्ष की आयु में – पिताजी बहुत तुनमिज़ाज होते जा रहे हैं।

सोलह वर्ष की आयु में – पिता जी जमाने के साथ नहीं चल पाते हैं, पुराने विचारों के हैं।

अठारह वर्ष की आयु में –पिता जी तो लगभग सनकी हो चले हैं।

बीस वर्ष की आयु में – हे भगवान, अब तो पिताजी को झेलना बहुत मुश्किल होता जा रहा है। पता नहीं, माँ उन्हें कैसे सहन कर पाती है?

पच्चीस वर्ष की आयु में –पिता जी तो मेरी हर बात का विरोध करते हैं।

तीस वर्ष की आयु में – मेरे बच्चे को समझाना मुश्किल होता जा रहा है, जबकि मैं अपने पिता से बहुत डरता था, जब मैं छोटा था।

चालीस वर्ष की आयु में –मेरे पिता जी ने मुझे बहुत अनुशासन से पाला। मुझे भी अपने बच्चों के साथ ऐसा ही करना चाहिए।

पैंतालीस वर्ष की आयु में –मैं आश्चर्यचकित हूँ कि कैसे मेरे पिता ने हमें बड़ा किया होगा?

पचास वर्ष की आयु में – मेरे पिता ने हमें यहाँ तक पहुँचाने के लिए बहुत कष्ट उठाए, जबकि मैं अपनी इकलौती संतान की देखभाल भी ठीक से नहीं कर पाता।

पचपन वर्ष की आयु – मेरे पिता बहुत दूरदर्शी थे और उन्होंने हमारे लिए कई योजनाएँ बनाई थीं। वे अपने–आप में बेहतर उच्चकोटि के इन्सान थे, जबकि मेरा बेटा मुझे सनकी समझता है।

साठ वर्ष की आयु में – वाकई मेरे पिता महान थे।

अर्थात् 'पिता महान हैं' इस बात को पूरी तरह से समझने में व्यक्ति को छप्पन वर्ष लग जाते हैं।

सक्षम वैद *पुत्र मुनीश वैद (कक्षा 6)*
मो. 9418023850

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

परम पूज्यनीय मम्मी श्रीमती वेद छिब्बर को द्वितीय पुण्य तिथि पर परिवार का शत्-शत् नमन्

करुणामयी, ममतामयी, हमारी दयामयी मम्मी को 22 दिसंबर 2018 को पंचतत्व में विलिन हुए दो वर्ष बीत गए, यकीन नहीं होता कि आप हमारे साथ नहीं। माँ आप के और डैडी के जाने के बाद आप दोनों का अभाव बहुत ज्यादा खलता है। परिवार कितनी भी उन्नति कर ले माता और पिता का विकल्प नहीं मिलता। आपके द्वारा दिए गए आर्दश हमारे लिए सदैव मार्ग प्रर्दशक बने रहेगें। रिश्तों और प्यार का मान, सम्मान Compassion, नारियों और बेटियों का आदर करना जीवन पर्यन्त हमारा मार्ग दर्शन करेंगे।

मेरी परम मित्र डॉ. मोनू गुप्ता द्वारा रचित ये पंक्तियाँ श्रद्धा सुमन स्वरूप हमारी मम्मी सहित धरती की हर उस ममतामयी माँ के चरणों में समर्पित है जिनकी भौतिक देह पंचतत्व में विलीन हो चुकी हैं।

मेरी माई

हिमालय की अडिगता, सागर की गहराई,
गंगा की पावनता, आकाश की ऊँचाई,
ऐसी थी कुछ मेरी माई।।
कौशल्या सी तपस्विनी,
जीजा बाई सी निश्चयी, आत्मभिमानी,
सूरज सी कल्याणी, धरती सी धीरजवाली,
ऐसी थी मेरी माई।।
मुझ को राह दिखाती, मेरे मनोबल को बढ़ाती,
हर बला से मुझको बचाती,
स्नेह सुधा से मुझ को भिगाती,
ऐसी थी मेरी माई।।
यादों के झरोकों से झाँकती,
पलकें भी भीग भीग जाती,
पल पल मुझको याद आती,
ऐसी थी मेरी माई।।
माँ आपका व्यक्तित्व और महानता देखते हुए,
बेटियाँ, पुत्रवधू, बेटा, दामाद यहीं कहेगें,
ये और बात है कि वो इंसान बन कर आई थी,
हकीकत में वो ईश्वर का साया थी, और हमारी माँ थी।

माँ आप की पुण्य–तिथि पर आपकी बेटी प्रभा दत्ता और पुत्र प्रमोद दत्ता (दामाद) जीएमएस के चिल्ड्रन एजूकेशन ट्रस्ट में 11000 रुपए भेंट किए।

श्रीमती प्रभा दत्ता
एच–133, रेज़िडेंन्सी ग्रीन, सेक्टर 46, गुरुग्राम

श्री त्रिलोक चन्द बाली का निधन

खेद के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पिता जी, श्री त्रिलोक चन्द बाली, 8 दिसंबर को स्वर्गवास हो गए हैं, अतः उनकी धर्म–शांति अर्थात् रस्म–पगड़ी का आयोजन 18 दिसंबर 2018, मंगलवार को सायं 3 से 4 बजे सिद्ध श्री दूधाधारी बाबा बालक नाथ मंदिर, नानकपुरा नई दिल्ली–110021 पर तय किया गया है। इस दिन रस्म–पगड़ी से पहले दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया गया है।–***विनोद कुमार बाली परिवार***

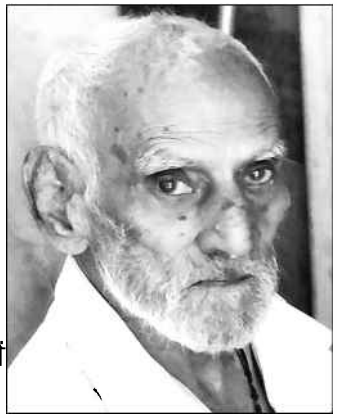

गीता-सार

- क्यों व्यर्थ में चिन्ता करते हो? किससे व्यर्थ डरते हो? कौन तुम्हें मार सकता है? आत्मा न पैदा होती है, न मरती है।
- जो हुआ, वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है, वह अच्छा हो रहा है। जो होगा, वह भी अच्छा ही होगा। तुम भूत का पश्चाताप न करो। भविष्य की चिन्ता न करो। वर्तमान चल रहा है।
- तुम्हारा क्या गया, जो तुम रोते हो? तुम क्या लाये थे, जो तुमने खो दिया? खाली हाथ आए, खाली हाथ चले गए। जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का था, परसों किसी और का होगा। तुम इसे अपना समझकर खुश हो रहे हो। बस यही तुम्हारे दुःखों का कारण है।
- परिवर्तन ही संसार का नियम है। मेरा–तेरा, छोटा–बड़ा, अपना–पराया मन से मिटा दो, विचार से हटा दो, अब तुम सबके हो।
- न यह शरीर तुम्हारा है, न तुम शरीर के हो। यह अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश से बना है और इसी में मिल जायेगा। परन्तु आत्मा स्थिर है, तुम अपने आपको भगवान को अर्पित करो। यही सहारा है। जो इस सहारे को जानता है, वह भय, चिन्ता शोक से सर्वदा मुक्त हो जाता है। सब कुछ भगवान को अर्पण कर, तो तू जीवन मुक्त हो जाएगा।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor